संपादकीय

देसी-परदेसी

नागरिकता संशोधन विधेयक 2016 भले ही लोकसभा और राज्य सभा में पारित हो गया। लेकिन राज्यसभा के भीतर और कई राज्यों में बहुतेरी पार्टियों ने इसका तीखा विरोध भी किया। असम गण परिषद (एजीपी) ने राज्य की एनडीए सरकार से अलग होने का ऐलान कर दिया है। याद रहे, 1985 में राजीव गांधी के नेतृत्ववाली केंद्र सरकार और असम आंदोलन के नेताओं के बीच समझौता हुआ था कि 1971 के बाद असम में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों की पहचान करके उन्हें राज्य से बाहर निकाला जाएगा।

नए बिल के तहत 1971 के आधार वर्ष को आगे बढ़ाकर 2014 कर दिया गया है। यही नहीं, इसमें प्रावधान है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को 11 साल के बजाय छह साल ही भारत में गुजारने पर उन्हें देश की नागरिकता मिल जाएगी। नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2016 में भारत को सभी हिंदुओं की मातृभूमि माना गया है। निश्चय ही यह बात हमारे संविधान की मूल अवधारणा के विपरीत है। भारत का वर्तमान नागरिकता कानून भारतीय नागरिकता चाहनेवालों में धर्म के आधार पर किसी को अलग से कोई रियायत नहीं देता। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था धर्मनिरपेक्षता की बुनियाद पर खड़ी है।

विदेशी बनाम स्थानीय नागरिकों का प्रश्न आज कई राज्यों में सामाजिक उथल-पुथल का कारण बना हुआ है। बांग्लादेश से बड़ी संख्या में शरणार्थी आकर असम में बस गए हैं। सन् 1980 के दशक में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की अगुआई में हुए छात्रों के आंदोलन में यह मुद्दा बड़े पैमाने पर उठा। वहीं, 1985 के समझौते के दो दशक बाद अंततः 2005 में केंद्र, राज्य सरकार और आसू के बीच असमी नागरिकों के कानूनी दस्तावेजीकरण के मुद्दे पर सहमति बनी और अदालत के हस्तक्षेप से इसका एक व्यवस्थित रूप सामने आया। इसके तहत 1971 के बाद आए सभी शरणार्थियों को वापस भेजने का निर्णय हुआ। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार की रुचि सिर्फ मुस्लिम शरणार्थियों को वापस भेजने में है, बाकियों को अपना वोट बैंक मानकर उन्हें वह यहीं बसाए रखना चाहती है।

नागरिकता कानून में यह संशोधन इसी मकसद से किया गया है। इस कानून से पूर्वोत्तर के लिए भारी समस्या खड़ी हो सकती है। खासकर असम के लोगों पर तो दोहरी मार पड़ रही है। वहां कई पीढ़ियों से रह रहे कुछ लोगों की नागरिकता खतरे में है क्योंकि राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) में नाम दर्ज कराने के लिए जरूरी दस्तावेज उनके पास नहीं हैं। दूसरी तरफ वहां बाहर के लोगों के बसने का रास्ता भी खोजा जा रहा है। जाहिर है, यह बिल न सिर्फ पूर्वोत्तर के राज्यों बल्कि कुछ पड़ोसी देशों में भी संकट पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि सरकार नागरिकता के प्रश्न को धार्मिक रंग न दे।

ऐसे मिल सकता है होम लोन, इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

नई दिल्ली। रोजगार की लालच में गांवों से लोगों का शहरों की तरफ तेजी से पलायन हो रहा है. इसलिए शहरों की आबादी बढ़ती जा रही है. गांव से शहर आने पर पेट भरने के बाद सबसे बड़ी समस्या रहने के लिए घर की होती है. किराए पर घर बहुत महंगे होते हैं. ऐसे में हर नौकरीपेशा लोगों की ये ख्वाहिश होती है कि शहर में अपना घर हो. लेकिन, जब तक आपकी अच्छी नौकरी नहीं है घर खरीदने के लिए होम लोन भी नहीं मिल पाता है. होम लोन लेने के लिए salaried और self-employed दोनों के लिए नियम-शर्तें एक जैसी हैं. बस अंतर है जमा किए जाने वाले दस्तावेजों में. होम लोन देते समय सबसे अधिक महत्व लोन लेने वाले की आय

और कर्ज चुकाने की क्षमता को दिया जाता है.सहयोगी वेबसाइट ज़ीबिज़ की रिपोर्ट के मुताबिक, होम लोन लेने के लिए नौकरीपेशा व्यक्ति के पास किसी सरकारी या निजी कंपनी में स्थायी नौकरी का प्रमाण होना चाहिए, जबकि अपना काम करने वाले सेल्फ इंप्लॉइड प्रोफेशनल्स को अपने पेशेवर योग्यता और प्रेक्टिस के दस्तावेज देने पड़ते हैं. स्वरोजगार करने वाले लोग इनकम टैक्स रिटर्न के आधार पर होम लोन ले सकते हैं. होम लोन लेने के समय उम्र कम से कम 24 साल और लोन पूरा होने के समय उम्र 60 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए.

इस तरह अलग-अलग प्रकृति के रोजगार से जुड़े लोगों के दस्तावेजों में अंतर होता है, लेकिन होम लोन सभी ले सकते हैं. इसके लिए दो बुनियादी बातों पर ध्यान दिया जाता है. पहला, आपकी आमदनी और आपका क्रेडिट प्रोफाइल. आपकी आमदनी से लोन चुकाने की क्षमता के बारे में पता चलता है और क्रेडिट प्रोफाइल से पता चलता है कि आप लोन चुकाने के इच्छुक हैं या नहीं. वेतनभोगी लोगों को आमतौर पर दस्तावेज के रूप में तीन महीने की सैलरी स्लिप, छह महीने का बैंक स्टेटमेंट, नवीनतम इनकम टैक्स रिटर्न और नियुक्ति पत्र देना होता है. जबकि अपना कारोबार करने वालों या प्रोफेशनल्स को तीन साल का इनकम टैक्स रिटर्न, ऑडिटर्स से सत्यापित बैलेंस शीट और इनकम स्टेटमेंट, पहले से लिए गए लोन का विवरण, दुकान या कारोबारी इकाई, वैट रजिस्ट्रेशन और जरूरी लाइसेंस की कॉपी देनी पड़ती है. इसके अलावा शिक्षा और पेशेवर सर्टिफिकेट की कॉपी भी देनी पड़ती है. इन दस्तावेजों को जमा करके होम लोन पाया जा सकता है.

नई वैगन-आर 23 जनवरी को होगी लॉन्च

नई दिल्ली। मारूति सुजुकी ने अपनी अपकमिंग थर्ड-जनरेशन वैगन-आर की झलक दिखाई है। इसे 23 जनवरी को लॉन्च किया जाएगा। फोटो में कार के रियर और साइड डिजाइन को देखा जा सकता है। वैगन-आर की इस टीजर इमेज में ब्लू कलर की वैगन-आर को दिखाया गया है। फोटो में इसकी नई टेल लैंप डिजाइन को साफ़ देखा जा सकता है। इसकी डिज़ाइन मौजूदा वैगन-आर से बिलकुल अलग है। नयी वैगन-आर में टेललैंप नंबर प्लेट की ऊंचाई से शुरू होती है, जो कार की रियर विंडशील्ड को कवर करती हुई इसके टॉप तक जाती है। फोटो में दिखाई गई वैगन-आर में रियर वाइपर और वॉशर भी दिए गए है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह जेडएक्सआई वेरिएंट हो सकता है। साथ ही, फ्लोटिंग डिज़ाइन के लिए कार के बी-पिलर और सी-पिलर को काले कलर में रंगा गया है। जानकारी के लिए बता दें, नई वैगन-आर को तीन वेरिएंट - एल, वी और जेड में उतारा जाएगा। कद-काठी के मामले में यह मौजूदा मॉडल से बड़ी होगी। वैगन-आर को दो पेट्रोल इंजन विकल्पों में उतारा जाएगा। इनमे 1.0 लीटर 3-सिलेंडर और 1.2 लीटर 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन शामिल हैं।

आरबीआई के इस कदम से और अधिक कर्ज दे पाएंगे बैंक

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को बैंकों में पूंजी सुरक्षा बफर (सीसीबी) की आखिरी किस्त पर अमल करने की समयसीमा को एक साल के लिए बढ़ा दिया. आरबीआई के इस कदम से बैंकों के पास 37,000 करोड़ रुपये की पूंजी उपलब्ध होगी. इस कदम से बैंकों की कर्ज देने की क्षमता में 3.50 लाख करोड़ रुपये तक वृद्धि होगी.आरबीआई ने अधिसूचना में कहा, 'उसने सीसीबी की 0.625 प्रतिशत की आखिरी किस्त को लागू करने की समय-सीमा को 31 मार्च 2019 से बढ़ाकर 31 मार्च 2020 करने का फैसला किया है.'इस प्रकार, पूंजी संरक्षण का न्यूनतम अनुपात 2.5 प्रतिशत अब 31 मार्च, 2020 से लागू होगा. वर्तमान में बैंकों का सीसीबी मुख्य पूंजी का 1.875 प्रतिशत है. सीसीबी पूंजी बफर है, जिसे बैंकों को सामान्य समय में जमा करना पड़ता है ताकि संकट की अवधि के दौरान नुकसान की भरपाई के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सके. इसे 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के बाद प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों का सामना करने के लिये बैंकों की क्षमता में सुधार के लिए पेश किया गया था.

ये महिला पति से तलाक लेते ही बन जाएगी दुनिया की सबसे अमीर महिला

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और अमेजॉन के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेफ बेजोस अपनी पत्नी मैकेंजी बेजोस से तलाक ले रहे हैं. बेजोस ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी थी.

विराट कोहली ने हार्दिक पांड्या-केएल राहुल विवाद पर तोड़ी चुप्पी, कही यह बड़ी बात

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आगाज शनिवार को हो रहा है. ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज में जीत हासिल कर टीम इंडिया के हौसले वनडे सीरीज के लिए बुलंद हैं. विराट कोहली ने मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार्दिक पांड्या और केएल राहुल विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी. विराट ने यह भी बताया की इसका टीम पर कोई असर हो रहा है कि नहीं.

टीम इंडिया में हाल ही में प्लेइंग इलेवन की घोषणा मैच से एक दिन पहले ही करने की परंपरा शुरू हुई है. लेकिन फिलहाल बी सी सी आई को यह फैसला करना है कि अभद्र टिप्पणियों को लेकर विवाद में आए हार्दिक पांड्या और केएल राहुल पर क्या बैन लगाना है. विराट को इसी फैसले का इंतजार है. इसलिए अब तक टीम इंडिया की घोषणा नहीं हो सकी है. विराट ने इस विवाद पर टीम के नजरिए के बारे में भी बताया.

विराट ने कहा, हम भारतीय क्रिकेट टीम के तौर पर और जिम्मेदार क्रिकेटर्स होने के नाते उन विचारों से सहमत नहीं हैं. वे उनके व्यक्तिगत विचार हैं. हम अब भी निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं.

विराट ने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम के नजरिए थे. यह (विवाद) हमारे ड्रेसिंग रूम के विश्वासों में कोई बदलाव नहीं आया है. यह हमारे उ, मनोबल पर असर नहीं डालता है जिसे हमने बनाया है. एक बार फैसला आ गया तब हम कॉम्बिनेशन पर विचार करेंगे.

बेन कटिंग को कैच के चक्कर में लगी भयानक चोट

मेलबर्न। बिग बैश लीग (Big Bash League 2018/19) में गुरुवार को मेलबर्न रेनेगेड्स और ब्रिस्बेन हीट के बीच मैच खेला गया। इस मैच के दौरान ब्रिस्बेन हीट के फील्डर बेन कटिंग के साथ एक ऐसा हादसा हुआ, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। मेलबर्न रेनेगेड्स के सामने ब्रिस्बेन हीट ने जीत के लिए 145 रनों का

लक्ष्य रखा। मेलबर्न रेनेगेड्स जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो पहले ही ओवर में बेन कटिंग के माथे पर तेज चोट लग गई। उनके माथे से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। पैटिंसन की गेंद पर मार्कस हैरिस ने हवा में शॉट खेला। कटिंग कैच लेने के चक्कर में अपने माथे पर चोट लगा बैठे। गेंद उनके हाथ में आने की बजाय सीधा जाकर दोनों आंखों के बीच माथे पर लगी।

मकर संक्रांति पर बन रहा ये खास योग, इस मंत्र का जाप करें सूर्य देव को प्रसन्न

हिंदू धर्म के प्रमुख त्यौहारों में से एक मकर संक्रांति पूरे देश में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन भगवान सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे मकर संक्रांति कहा जाता है. हिंदू धर्म में सूर्य की पूजा की जाती है और उन्हें सूर्य देवता के रूप में पूजा जाता है, जो पृथ्वी पर सभी जीवित प्राणियों का पोषण करते हैं. इस बार मकर मकर संक्रांति के पर्व पर एक खास योग बन रहा है. साल 2019 में मकर संक्रांति सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाया जायेगा.

खत्म होगा मलमास

सूर्य के मकर राशि में आने से मलमास समाप्त होगा, जिससे मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे. सूर्य जब मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष और मिथुन राशि में सूर्य रहता है, तब ये ग्रह उत्तरायण होता है. जब सूर्य शेष राशियों कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक और धनु राशि में रहता है, तब दक्षिणायन होता है.

ऐसे करें पूजा

मकर संक्रांति पर सुबह जल्दी उठें और स्नान करें.

संभव हो तो तीर्थ स्नान पर स्नान करें, इससे पुण्य की प्राप्ति होती है.

स्नान के बाद तांबे के लोटे में लाल फूल और चावल डालकर सूर्य को जल चढ़ाएं.

मंदिर में गुड़ और काले तिल का दान करें. ये शुभ होता है.

भगवान को गुड़-तिल के लड्डू का भोग लगाएं और भक्तों को प्रसाद वितरित करें.

आदित्य ह्रदय स्तोत्र का करें पाठ

ज्योतिष के अनुसार, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश पर उसकी किरणों से अमृत की बरसात होने लगती है. इस दिन सूर्य उत्तरायण होते हैं.

सिडनी वनडे में टीम इंडिया की नजरें सीरीज जीत पर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया शनिवार सेऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज का आगाज करेगी. तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम अपने उसी फॉर्म को जारी रखने के इरादे से उतरेगी. सीरीज का यह पहला मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेला जाएगा. टेस्ट सीरीज में जीत की खुशी से लबरेज भारतीय कप्तान विराट कोहली वनडे सीरीज की शुरुआत भी जीत के साथ करने के लिए इसमें वह किसी भी तरह की

कसर छोड़ने के मूड़ में नहीं होंगे

मेहमानों को अपने अतिउत्साह से बचना होगा. जीत के बाद भारतीय कप्तान और कोच रवि शास्त्री ने जो बयान दिए हैं उनसे वह कई दिग्गजों के निशाने पर हैं. ऐतिहासिक जीत के बाद अगर भारतीय टीम मैदान पर अतिउत्साह दिखाती है तो नुकसान उसे उठाना पड़ सकता है. कोहली की कप्तानी में भारत ने 71 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीती है, लेकिन जो ऑस्ट्रेलियाई टीम टेस्ट में थी उसके मुकाबले मेजबान सीमित ओवरों में ज्यादा बेहतर हैं. ऐसे में भारत को सतर्क रहकर मैदान पर उतरना होगा. टेस्ट में भारत की जीत में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के संयुक्त प्रदर्शन का अहम योगदान था. वनडे सीरीज में भारतीय गेंदबाज एक बार फिर बड़ी भूमिका में होंगे और उन्हीं के कंधों पर टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी.

आज का राशिफल

मेष: आज नए साल के पहले दिन बाहर घूमन-फिरने और शानदार भोजन मिलने का योग है। व्यापारियों को लाभ और सफलता मिलेगी। प्रवास, आर्थिक लाभ और वाहन सुख का योग है।

वृषभ: आज का दिन शुभ है। कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक लाभ होगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। बीमारी में राहत होगी। नौकरी में लाभ होगा।

मिथुन: आज संतान और जीवनसाथी के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता होगी। वाद-विवाद में न पड़ें। आत्म सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। पेट संबंधी बीमारियों की आशंका है।

कर्क: शरीर में आलस्य या अस्वस्थता हो सकती है। मनमुटाव और तकरार की आशंका है। सार्वजनिक रूप से मानहानि होने से दुःख का अनुभव करेंगे। समय से भोजन नहीं मिलेगा।

सिंह: कार्य सफलता और प्रतिस्पर्द्धियों पर विजय मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। भाई- बहनों के साथ कोई आयोजन करेंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। प्रियजनों की मुलाकात से खुशी होगी।

कन्या: परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होंगे। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय है।

तुला: आज आपको कार्यक्षेत्र में सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति अधिक निखरेगी। आर्थिक लाभ होगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक: आनंद-प्रमोद, मनोरंजन के पीछे धन व्यय होगा। दुर्घटना से संभलकर रहें। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी, इसलिए झगड़े से दूर रहें। मानहानि या धनहानि की आशंका है।

धनु: आज का दिन लाभदायी है ऐसा गणेशजी कहते हैं। जीवन का संपूर्ण आनंद आप प्राप्त कर पाएंगे। प्रेम की सुखद अनुभूति होगी। मित्रों के साथ किसी रमणीय स्थल पर घूमने जा सकते हैं।

मकर: व्यापार-धंधे के लिए आज का दिन शुभ है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी या नौकरी में उच्च पदाधिकारियों द्वारा आपके काम की प्रशंसा होगी। पदोन्नति के योग की संभावना है।

कुंभ: आज आपको बेचैनी, थकान और ऊबन रहेगी। काम करने का उत्साह नहीं रहेगा। ऑफिस और काम-काज की जगह पर बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। लंबी यात्रा होगी।

मीन: स्वास्थ्य के संबंध में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बीमारी के पीछे खर्च करना पड़ सकता है। कामकाज में भी कुछ परेशानी हो सकती है। संभलकर बोलें।

आलू कुलचा बनाने की विधि

कुलचे को हम सादा और बहुत तरह की अलग-अलग भरावन भरकर भरवाँ कुलचा भी बना सकते है। कुलचा खाने में बहुत स्वादिष्ट होने के साथ-साथ बनाने में भी काफी ज्यादा आसान होता है।

आवश्यक सामग्री - मैदा- 2 कप, दही- 2-3 टीस्पून, बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून, तेल- 2 टीस्पून, अजवाइन- 1 टीस्पून, आलू- 4-5, हरी मिर्च- 3-4, अदरक- 1 इंच, अमचूर पाउडर- 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, गरम मसाला- 1 टीस्पून, धनिया पत्ती- 1 टीस्पून, नमक- स्वादअनुसार

बनाने की विधि -

सबसे पहले मैदा, दही, बेकिंग सोडा, तेल, अजवाइन और नमक डाल कर मुलायम आटा गूंथ लें। इसके बाद उसे गीले कपड़े से 3-4 घंटे के लिए ढक कर रख दें जिससे वह मुलायम हो जाए। तब तक के लिए उबले हुए आलू को छील लें और मैश कर लें। फिर उसमें हरी मिर्च, गरम मसाला,अदरक, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिला कर स्टफिंग तैयार करलें। अब उसमें हरी धनिया मिलाएं। अब कुलचे का आटा लें कर उसे बेल कर उसमें अंदर स्टफिंग वाला मिक्सचर भर लें और बेल लें। तवा तेज गरम करें, उस पर कुलचा रखें और दोनों ओर सेकें। कुलचा तैयार हो गया, इसे किसी भी करी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-45

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

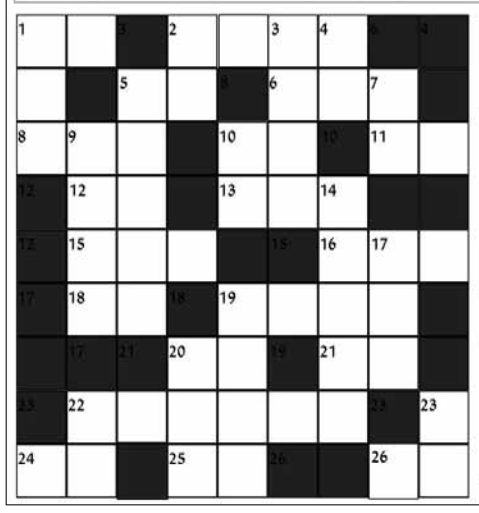

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 44 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	प	■	■	■	ड़ी	■	प	■
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	र	ति	■	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू-45

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 44 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7